हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

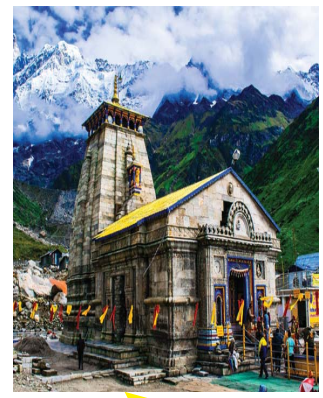

वर्ष:5 अंक:13 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 17 जनवरी 2026

आपदा जोखिम न्यूनीकरण में उत्तराखंड मॉडल बनेगा मिसाल: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

आईआईटी रुड़की में आपदा सहनशीलता पर एकदिवसीय कार्यशाला को मुख्यमंत्री का वर्चुअल संबोधन

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की में आयोजित 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं सहनशीलता' विषयक एकदिवसीय कार्यशाला को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यशाला न केवल उत्तराखंड, बल्कि समूचे हिमालयी क्षेत्र के लिए दूरगामी और उपयोगी परिणाम देने वाली सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि कार्यशाला में आपदा जोखिम न्यूनीकरण, आपदा-पूर्व तैयारी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियां, सामुदायिक सहभागिता जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर गहन मंथन किया जाएगा। साथ ही, तकनीकी नवाचार, अनुसंधान सहयोग और बहु-आयामी साझेदारियों को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस रणनीतियां तैयार होंगी।

उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य भूकंप, भूस्खलन, बादल फटना, अतिवृष्टि, हिमस्खलन और वनाग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। इन आपदाओं के दुष्प्रभावों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समयबद्ध तैयारी, आधुनिक तकनीक और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया 4क्कमंत्र–क्क्द्गस्त्रद्बष्ह्ल, क्क्द्ग1द्गठ्ठह्ल, क्क्द्गश्चड्डह्द्ग और क्क्श्ह्लद्दद्गष्ह्ल–आपदा प्रबंधन की दिशा में मार्गदर्शक सिद्ध हो रहा है। इसी मंत्र के आधार पर देश स्तर पर 10-सूत्रीय एजेंडा के तहत कार्य किया जा रहा है। उत्तराखंड सरकार भी इसी दृष्टिकोण को अपनाते हुए आपदा-पूर्व तैयारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि राज्य में एआई आधारित चेतावनी प्रणालियां, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम, ग्लेशियर रिसर्च सेंटर, ड्रोन सर्विलांस, जीआईएस मैपिंग, सैटेलाइट मॉनिटरिंग, रैपिड रिस्पॉन्स टीमें, फॉरेस्ट फायर अर्ली वार्निंग सिस्टम और वनाग्नि प्रबंधन कार्ययोजना पर निरंतर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन विभाग, वन विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर त्वरित और सटीक प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आईआईटी रुड़की के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है। राज्य सरकार, आईआईटी रुड़की के सहयोग से इस प्रणाली के विस्तार, भूस्खलन-संवेदनशील क्षेत्रों की वैज्ञानिक मैपिंग और बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणालियों के विकास पर कार्य कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पौधारोपण, जल संरक्षण और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (स्ङ्क) के माध्यम से प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में जल सुरक्षा को मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से सुरक्षित, आपदा-सहनशील घरों और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के जोनल कॉर्डिनेटर भगवती प्रसाद राधव, आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. के. के. पन्त, उपनिदेशक प्रो. यू. पी. सिंह, प्रो. संदीप सिंह सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और शोधकर्ता उपस्थित रहे।

पुणे नगर निगम में भाजपा की बड़ी जीत

पुणे। केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पुणे नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर एक बार फिर विश्वास जताने के लिए यहां के लोगों को धन्यवाद दिया है। मोहोल ने अपने बयान में कहा, 'जिन्होंने काम नहीं किया, वे बातें करते रहे, लेकिन पुणे के लोगों ने हम पर भरोसा दिखाया और हमें नेतृत्व करने का एक और मौका दिया। हमने लगातार कहा था कि करीब 120 सीटें जीतेंगे और हमें इस पर पूरा भरोसा था। अभियान के दौरान हमारी आलोचना की गयी, लेकिन हमने विकास के मुद्दों पर ध्यान दिया। पुणेकरों के जबरदस्त समर्थन से से हम बहुत खुश हैं।' ' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देने के लिए खुद फोन किया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री फडणवीस के भरोसे और शहर भर में पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों को दिया। पुणे नगर निकाय चुनाव के नतीजों के तुरंत बाद भाजपा ने बड़ा राजनीतिक फैसला लेते हुए महाराष्ट्र भर में आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव अकेले लड़ने का निर्णय लिया। यह निर्णय वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल की उपस्थिति में आयोजित बैठक में लिया गया।

शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता रवींद्र धंगेकर को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उनकी पत्नी प्रतिभा धानोरकर नगर निगम चुनावों में हार गयी हैं। उन्होंने वार्ड नंबर 23 से चुनाव लड़ा था। उनकी प्रतिद्वंद्वी आंडेकर समूह की सोनाली आंडेकर ने जीत हासिल की। खास बात यह है कि सुश्री आंडेकर ने जेल में बंद रहते हुए यह चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर बढ़ते जनविश्वास की पुष्टि है बीएमसी चुनाव में महायुति की प्रचंड जीत : भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र के शहरों के नगर निगम चुनावों में महायुति और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली ऐतिहासिक सफलता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर जनता के बढ़ते विश्वास की अभिव्यक्ति बताया है। पार्टी के महासचिव तरुण चुघ और प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी नेयह दावा भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चुनावी नतीजों पर किया। त्रिवेदी ने कहा कि बीएमसी जैसे देश और संभवतः एशिया के सबसे बड़े नगर निगम में भाजपा, महायुती और राजग को मिली प्रचंड जीत यह दर्शाती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले केरल के नगर निगम चुनावों में तिरुवनंतपुरम में भाजपा को बहुमत मिला, उससे पहले बिहार में सफलता मिली और अब महाराष्ट्र में नगर निगमों में मिली जीत विकसित भारत की दिशा में बढ़ते जनसमर्थन का प्रमाण है। त्रिवेदी ने महाराष्ट्र की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता महाराष्ट्र भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, प्रदेश अध्यक्ष, मुंबई भाजपा अध्यक्ष और राज्य नेतृत्व की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने इस जीत पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके सहयोगियों के योगदान की भी सराहना की। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि महाराष्ट्र की धरती सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक समृद्धि की प्रतीक रही है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है।

भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर तैयार हो स्वदेशी एआई: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य में किसी देश को आगे रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में क्रांति जरूरी होगी और इसलिए हमारा प्रयास होना चाहिए कि स्वदेशी एआई भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर ही तैयार हो।

मोदी ने यहां भारत मंडपम् में स्टार्टअप इंडिया मिशन के 10 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले 10 साल में देश में एक ऐसा वातावरण तैयार हुआ है जो नवाचार को बढ़ावा देता है। सरकार ने विश्वास और पारदर्शिता का माहौल बनाया है। जन विश्वास कानून बनाया है। स्टार्टअप के लिए कई कानूनों में स्व-प्रमाणन की सुविधा दी गयी है ताकि स्टार्टअप का समय मुकदमेबाजी में बर्बाद न हो।

इससे पहले श्री मोदी ने कुछ स्टार्टअप कंपनियों के स्टॉल पर जाकर उनके द्वारा किये जा रहे काम के बारे में जाना। इसके बाद कुछ स्टार्टअप ने मंच से अपनी यात्रा और स्टार्टअप इंडिया मिशन से मिले लाभ के बारे में बताया। मोदी ने कहा कि आज का अनुसंधान ही कल की बौद्धिक संपदा बनती है। जो देश एआई की क्रांति में जितना आगे होगा वह उतनी ही लाभ की स्थिति में होगा। कार्यक्रम में मौजूद स्टार्टअप का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, 'यह काम आपको करना होगा। इंडिया एआई मिशन के जरिये 38 हजार से अधिक जीपीयू को ऑनबोर्ड किया है। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि स्वदेशी एआई भारतीयों द्वारा भारतीय सर्वरों पर ही तैयार हों। '

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का नौजवान आज खिंची-खिंचाई लकीर पर आराम से अपनी जिंदगी गुजारने के लिए तैयार नहीं है। वह अपने लिए नये रास्ते खुद बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि जोखिम लेने वालों को अब सम्मान मिलता है और यह अब फैशन बन रहा है।

इसी संदर्भ में अपनी सरकार की काम करने की शैली का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'जोखिम लेना मेरी भी आदत रही है। जिन कामों को दशकों से किसी ने नहीं छुआ, जिनके लिए लोग कहते थे कि राजनीतिक जोखिम है, मैं उन्हें अपना दायित्व समझकर जरूर करता हूं। नुकसान होगा तो मेरा होगा, लेकिन अगर फायदा होगा तो देश के करोड़ों परिवारों का होगा। '

मोदी ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया मिशन ने देश में एक नयी संस्कृति को जन्म दिया है। पहले नया कारोबार केवल बड़े-बड़े घरों के बच्चे ही लेकर आते थे क्योंकि उन्हें ही आराम से फंडिंग मिलती थी।

सफाई अभियान का रोस्टर जारी, विभागीय अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री के निर्देशन में तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ सुंदर जनपद बनाने एवं मुख्यमंत्री के सपने को साकार करने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद के विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए आज 16 जनवरी से 31 जनवरी तक महा स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जाएगा।जिसके लिए रोस्टर जारी किया गया है।

जारी रोस्टर के अनुसार आज 16 जनवरी एवं 17 जनवरी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में समस्त थाना एवं चौकियों में विशेष सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।दिनांक 17 जनवरी को उप वन संरक्षक/प्रभागीय वनाधिकारी वन प्रभाग हरिद्वार के नेतृत्व में समस्त वन क्षेत्रों एवं आसपास प्रवेश द्वारों में सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। दिनांक 18 जनवरी

को सचिव एचआरडीए के नेतृत्व में एचआरडीए क्षेत्रांतर्गत आने वाले समस्त मुख्य स्थानों में सफाई अभियान चलाया जायेगा। दिनांक 19 जनवरी को कमांडेंट फायर/पीएससी के नेतृत्व में जनपदीय कार्यालय एवं कार्य क्षेत्रांतर्गत स्वच्छ अभियान चलाया जाएगा। दिनांक 20 जनवरी को ट्रैफिक पुलिस द्वारा समस्त चौराहों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।दिनांक 21 जनवरी को रेलवे प्रशासन /आरएम परिवहन निगम द्वारा रेलवे स्टेशन एवं रेलवे ट्रैक के आसपास किनारों तथा बस स्टैंड परिसर एवं बस, स्टॉप पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।दिनांक 22 जनवरी को सहायक आयुक्त वाणिज्य कर हरिद्वार/रुड़की द्वारा जनपद में स्थापित वाणिज्य कार्यालयों में सफाई अभियान चलाया जायेगा। 23 जनवरी को सहायक आयुक्त परिवहन प्रवर्तन/प्रशासन हरिद्वार एवं रुड़की द्वारा जनपद के सभी राजमार्गों,चेकपोस्टों पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 24 जनवरी को परियोजना निर्देशक राष्ट्रीय राजमार्ग इकाई रुड़की नजीबाबाद द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गो के साथ साथ सर्विस लाइन एवं फ्लाईओवरों के आस पास/किनारों पर सफाई अभियान चलाते हुए साइनेज एवं अवरोधकों की मरम्मत आदि कार्य करेंगे। 25 जनवरी को अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के आरओडबलू पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए साइनेज एवं गति अवरोधकों की मरम्मत आदि कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। 26 जनवरी को सहायक परियोजना निर्देशक के नेतृत्व में एनआरएलएम /एनयूएलएम द्वारा समस्त विकास खंडों में गठित स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 27 जनवरी को अधिशासी अभियंता सिंचाई/लघु सिंचाई एवं नलकूप खंड द्वारा समस्त जल स्रोतों, रजवाहे, नहरों के साथ साथ जनपद में स्थापित समस्त नलकूप भवनों के आस पास सफाई अभियान चलाया जायेगा। 28 जनवरी को सहायक निर्देशक दुग्ध एवं सहायक आयुक्त गन्ना द्वारा समस्त गौशालाओ,कृषकों,दुग्ध समितियों एवं दुग्ध डेयरी केंद्रों तथा समस्त गन्ना समितियों, तोल केंद्रों,चीनी मिलो एवं विभाग द्वारा निर्मित मार्गो पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 29 जनवरी को समाज कल्याण अधिकारी हरिद्वार द्वारा सभी अनुसांगिक इकाइयों,ग्रामीण शहरी,आश्रम पद्धति, विद्यालयों एवं बालगृहों आदि परिसरों में सफाई अभियान चलाया जाएगा। 30 जनवरी को जिला सेवा योजन अधिकारी द्वारा अपने कार्य क्षेत्रांतर्गत आने वाले संस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। 31 जनवरी 2026 को जिला क्रीड़ा अधिकारी एवं जीएम डीआईसी एवं आरएम सिडकुल द्वारा जनपद के प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के द्वारा स्वच्छता संदेश प्रसारित करते हुए समस्त खेल मैदानों एवं आस पास मुख्य द्वार तथा जनपद के सभी औद्योगिग क्षेत्रों के आस पास एवं उद्यमियों के सहयोग से विशेष सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।

एक नजर

धर्म नगरी में चल रहा स्वच्छता अभियान, स्वच्छता में मॉडल जनपद बनाने का है लक्ष्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, एवं सुंदर बनाए जाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में एक माह 29 दिन से निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी स्वयं अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सफाई अभियान का धरातल पर असर दिखने भी लगा है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद को साफ स्वच्छ बनाने के लिए नव वर्ष के अवसर पर महा सफाई अभियान शुरू किया, जिसमें सभी जनपदवासियों ओर धार्मिक संस्थाओं, व्यापार मंडलों, जनप्रतिनिधियों, गैर स्वयंसेवी संगठनों इस अभियान में पूर्ण सहयोग करने की अपील की गई। बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया कि बीएचईएल (BHEL) टाउनशिप प्रशासन विभाग की टीम एवं सीआईएसएफ (CISF) कर्मियों द्वारा शिवालिक नगर के पास स्थित चौराहे से रानी राव पुल तक संयुक्त रूप से सफाई अभियान चलाया गया। इस संयुक्त सफाई अभियान में 60 से अधिक कर्मियों ने भाग लिया। अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 334 ए क्षेत्रांतर्गत सफाई कार्य किया गया। खण्ड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया कि खानपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत कानेवाली रायसिंह, डुमनपुरी, गिद्धावली , बालावाली में साफ़ सफाई का कार्य किया गया,जिसमें 12 कुंटल कूड़ा कचरा एकत्रित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी रूड़की ने अवगत कराया कि रुड़की क्षेत्रांतर्गत रसूलपुर में साफ़ सफाई का कार्य किया गया।

मुख्यमंत्री ने दी विकास योजनाओं के लिये 183.71 करोड़ की धनराशि

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सड़क के निर्माण एवं पुर्निर्माण, पेयजल, आवास, पंचायतीराज संस्थाओं को वित्तीय हस्तान्तरण तथा आपदा राहत से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिये 183.71 करोड की धनराशि का अनुमोदन प्रदान किया है। इस राशि के स्वीकृत होने से विकास कार्यों में गति प्रदान होगी। मुख्यमंत्री द्वारा आगामी श्री नन्दा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों के लिए विस्तृत कार्ययोजना के तहत विधानसभा क्षेत्र थराली में नन्दप्रयाग-घाट-सुतोल-कनोल मोटर मार्ग (किमी 20 से 40) के सुदृढ़ीकरण एवं डामरीकरण के लिये 12.90 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। जनपद चमोली की कर्णप्रयाग शाखा के अन्तर्गत सोनली-देवली बागर जलापूर्ति योजना हेतु 6.55 करोड़ तथा जनपद देहरादून में पीली कोठी से बालावाला-गुलरघाटी एफआईसी तक 3 किमी मार्ग के चौड़ीकरण/डामरीकरण तथा कस्तूरी चौक समशेरगढ़ होते हुए बालावाला क्रॉसिंग तक लगभग 2 किमी मार्ग के चौड़ीकरण/डामरीकरण (प्रथम चरण) के लिये 5.89 लाख की धनराशि की स्वीकृति किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र कालाढूंगी में पनचक्की-चौफुला-कठघरिया नहर कवरिंग के उपरान्त मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण हेतु 11.15 करोड़, विधानसभा क्षेत्र एवं विकासखण्ड यमकेश्वर में पीपलकोटी से दुगड्डा तक सड़क के चौड़ीकरण एवं डामरीकरण (प्रथम चरण) के लिये 32.52 लाख, मरचूला कूपी भैरंगखाल (मरचूला सराईखेत बैजरों पोखड़ा पौड़ी सतपुली, राज्य मार्ग संख्या 32) मोटर मार्ग के चौड़ीकरण हेतु 5.11 लाख, जनपद हरिद्वार के रोशनाबाद में अभियोजन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु टाइप-द्वितीय के 02, टाइप-तृतीय के 20 एवं टाइप-चतुर्थ के 02 आवासीय भवनों के निर्माण के लिये 11.29 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत सरकार से प्राप्त द्वितीय किश्त के अन्तर्गत जिला पंचायचत हेतु 21.17 करोड़, क्षेत्र पंचायत हेतु 14.12 करोड़ तथा ग्राम पंचायतों हेतु 105.86 करोड़, कुल 141.15 करोड़ की धनराशि हस्तान्तरित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद पिथौरागढ़ में प्राकृतिक आपदा से मृत 09 व्यक्तियों के विधिक उत्तराधिकारियों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 1.00 लाख प्रति व्यक्ति की दर से कुल 9.00 लाख की अतिरिक्त राहत राशि तथा प्राकृतिक आपदा से पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त 05 भवनों के स्वामियों को 3.00 लाख प्रति भवन की दर से कुल 15.00 लाख अर्थात कुल 24.00 लाख की धनराशि की स्वीकृति मुख्यमंत्री राहत कोष से किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है, जिसका शासनादेश भी निर्गत कर दिया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने हर्षोल्लास के साथ मनाया सेना दिवस

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

सेना दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरिद्वर के सभागार भवन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आगाज नालसा थीम सांग एक मुट्ठी आसमान से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी संचालक संगीता भारद्वाज रिटेनर अधिवक्ता द्वारा दी गयी। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों सहित उनके परिवार जन उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजना वीर परिवार सहायता योजना 2025 के बारे में विस्तृत जानकारी सचिव सिमरनजीत कौर द्वारा दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्रधिकरण द्वारा की गई। उन्होंने समस्त पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी स्वतंत्रता इसलिए सुरक्षित है क्योंकि हमारी भारतीय सेना का साहस अदम्य है। हम अपने घरों में इसलिए चैन से सो पाते हैं क्योंकि सरहद पर हमारे सैनिक हमारी सुरक्षा हेतु समर्पित हैं। आज उन सभी सैनिकों को याद करने का नमन करने का दिवस है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार सभी सैनिकों के लिए विधिक सहायता हेतु सदैव तत्पर है। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों द्वारा अपनी समस्याऐं बताई गयी एवं उनकी समस्याओं को सुना गया तथा साथ ही पूर्व सैनिकों के परिवारजनों से आये बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयी जिसके उपरान्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरिद्वार के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश नरेद्र दत्त, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रट संदीप कुमार एवं सचिव, सिमरनजीत कौर द्वारा प्रतिभागियों को सम्मान पत्र आवंटित किये गए एवं सबका आभार व्यक्त किया गया।

जाह्नवी व्यापार मंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए महापौर किरण जैसल और समाजसेवी डॉ विशाल गर्ग

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल से संबद्ध इकाई जाह्नवी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शहर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा एवं मेयर किरण जैसल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों व्यापार मंडल अध्यक्ष निशा गुप्ता, महामंत्री दया ठाकुर, सचिव पारूल भागुनी, उपाध्यक्ष तारा श्रीवास्तव, संगठन मंत्री विशाल शर्मा, कोषाध्यक्ष पंकज सिंघल सहित समस्त कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय योगदान देने वाली पांच महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। पदाधिकारियों को बधाई देते हुए मेयर किरण जैसल ने कहा कि व्यापार मंडल में महिलाओं की सक्रियता सुनिश्चित करना अच्छी पहल है। निशा गुप्ता को व्यापार मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया जाना महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि व्यापारी सदैव ही समाज सेवा का संदेश देते हैं।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष डा.विशाल गर्ग ने कहा कि व्यापार मंडल व्यापारिक गतिविधियों के साथ सामाजिक सरोकारों में भी महत्वूण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि निशा गुप्ता के नेतृत्व में जाहन्वी व्यापार मंडल के पदाधिकारी व सदस्य व्यापारी हितों के लिए कार्य करेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप व प्रदेश सचिव मयंक मूर्ति भट्ट ने भी विचार रखे और नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार व लेखिका डा.राधिका नागरथ, नेहा मालिक, योगाचार्य डा.बबीता, पार्षद श्रुति खेवड़िया, पार्षद तन्मयी श्रोत्रीय को सम्मानित किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप, प्रदेश सचिव मयंक मूर्ति भट्ट, जिला अध्यक्ष डा.विशाल गर्ग, तहसील अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक, शहर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, शहर महामंत्री विमल सक्सेना, जिला महामंत्री अश्वनी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विशाल मूर्ति भट्ट, रविकांत शर्मा, सर्वेश्वर मूर्ति भट्ट, मंडल अध्यक्ष भाजपा किशन बजाज, आशीष गिरी, मधुकांत गिरी, पूर्व पार्षद राधे शर्मा, पार्थ मदान व्यापारी नेता अरविंद बबली सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

हरकी पैड़ी पर अहिंदू प्रवेश पर सख्ती, गंगा सभा ने लगाए निषेध बोर्ड

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार की पहचान और सनातन आस्था के केंद्र हरकी पैड़ी पर गैर हिंदुओं प्रवेश को रोकने के लिए अब गंगा सभा सख्ती करती दिखायी दे रही है। श्रीगंगा सभा ने हरकी पैड़ी क्षेत्र में अहिंदू प्रवेश निषेध के बोर्ड लगाकर साफ कर दिया है कि यह कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, बल्कि सनातन आस्था का पवित्र तीर्थ है। गंगा सभा ने एक बार फिर दोहराया है कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बीते दिनों हरकी पैड़ी और आसपास वेश बदलकर घूमने, वीडियो बनाने और माहौल बिगाड़ने की घटनाओं ने पूरे देश में विवाद खड़ा किया था। इसके बाद गंगा सभा ने 1916 के बायलॉज का हवाला देते हुए उस कानून को सार्वजनिक कर दिया है, जिसके तहत हरकी पैड़ी क्षेत्र में पहले से ही अहिंदू प्रवेश निषिद्ध है। गंगा सभा का साफ कहना है कि हर की पौड़ी कोई प्रयोगशाला नहीं, जहां आस्था की परीक्षा ली जाए। यह गंगा, सनातन और श्रद्धा का केंद्र है, और यहां नियम वही चलेंगे जो धर्म और परंपरा तय करती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले ही संकेत दे चुके हैं कि सनातन को बदनाम करने और माहौल बिगाड़ने वालों पर सरकार सख्ती से कार्रवाई करेगी। हरकी पौड़ी पर चस्पा किये गए बोर्ड से यह मैसेज देने का प्रयास किया गया है कि आस्था से खिलवाड़ नहीं चलेगा, मर्यादा तोड़ने वालों के लिए यहां कोई जगह नहीं। बतादें गंगा सभा ने हाल ही में कुंभ क्षेत्र में गैर हिंदूओं का प्रवेश वर्जित करने की मांग मुख्यमंत्री से की थी, इस संबंध में गंगा सभा ने मुख्यमंत्री को पत्र भी भेजा है।

सभी के विश्वास, सहयोग से सरकार जनसेवा के पथ पर निरंतर बढ़ रही है आगे: मुख्यमंत्री

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कन्हैया लाल डीएवी महाविद्यालय,रुड़की में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सभी के विश्वास, सहयोग से सरकार जनसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रही है।

सरकार का प्रथम दायित्व होता हैं की जनता की समस्याओं को सुने और उनका समाधान करें। उन्होंने कहा कि जैसे ही मेरे संज्ञान में आया कि इस महाविद्यालय के कर्मचारियों को पिछले लगभग 8 महीनों से बिना वेतन के अपने सभी दायित्वों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन कर रहे हैं। तो सरकार का भी कर्तव्य था कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए।

उन्होंने कहा की शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता बल्कि वो समाज की चेतना को दिशा देने वाला मार्गदर्शक भी होता है। जिस समाज में शिक्षक सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होता है, वही समाज प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए उन्नति के शिखर पर पहुंचता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार शिक्षकों और विद्यार्थियों के हितों को प्रमुखता देते हुए राज्य में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, व्यावहारिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए भी कई स्तरों पर कार्य कर रहे हैं। सरकार, शिक्षा व्यवस्था को केवल परीक्षा और डिग्री तक सीमित नहीं रखना चाहती। बल्कि उसे स्किल डेवलपमेंट से जोड़कर राज्य में रोजगार के साथ- साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में भी युवाओं को आगे बढ़ाना चाहती है। हमारी शिक्षा प्रणाली अब और अधिक व्यवहारिक और रोजगारपरक बन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से राज्य में 20 मॉडल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। वहीं, छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए महिला छात्रावास,आधुनिक आई.टी. लैब और नए परीक्षा भवनों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा हमने ब्रिटेन के साथ शेवनिंग उत्तराखण्ड छात्रवृत्ति के लिए समझौता किया है। इसके तहत हमारे 5 सबसे प्रतिभाशाली छात्रों को मास्टर्स के लिए ब्रिटेन भेजा जाएगा। इसके साथ ही हमने इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड के साथ भी हाथ मिलाया है, ताकि हमारे कॉलेजों में कंप्यूटर आधारित विभिन्न आधुनिक कोर्स संचालित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि शोध को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री शोध प्रोत्साहन योजना भी प्रारंभ की है। इसके तहत विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों को 18 लाख रुपए तक का शोध अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही, उत्कृष्ट शोध पत्रों के प्रकाशन पर राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इसी समर्पण के साथ शिक्षकों के सम्मान और छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। इसी विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं और जब तक उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य नहीं बना लेते तब तक न हम रुकेंगे और न थकेंगे।

राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी ने कहा कि प्रदेश में शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार सभी कदम उठा रही है। छात्र छात्रों के भविष्य के लिए सरकार द्वारा सख्त कानून बनाए गए हैं। अब सफलता उन्हीं को मिलेगी जो मेहनत करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष मधु सिंह और विधायक रुड़की प्रदीप बत्रा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ एमपी सिंह ने कहा कि खराब मौसम होने के कारण मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं हो पाए तथा वर्चुअल माध्यम से सभी को संबोधित करते हुए शिक्षकों का सम्मान किया।

कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष केएल डीएवी (पीजी) कॉलेज पूर्णिमा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी, राज्य मंत्री शोभाराम प्रजापति, नवनीत गर्ग, पंकज गर्ग,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश कौशिक,जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ,एसपी देहात शेखर सुयाल, उप जिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी, महासचिव मुदित गर्ग,अंकित पुरोहित, सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया नेशनल पैरालंपिक पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप का शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नेशनल पैरालंपिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ करते हुए कहा कि बीते एक दशक में भारत के खेल इतिहास में अभूतपूर्व बदलाव आया है, यह दशक भारतीय खेलों का स्वर्णिम अध्याय बन चुका है।

रुड़की स्थित कोर यूनिविर्सिटी में आयोजित उद्घाटन समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ये प्रतियोगिता केवल खेल आयोजन नहीं बल्कि भारत की उस अदम्य इच्छाशक्ति का उत्सव है, जो हर बाधा को चुनौती में और हर चुनौती को अवसर में बदल देती है। उन्होंने कहा कि पावरलिफ्टिंग अपने आप में अनुशासन, धैर्य, साहस और आत्मविश्वास का प्रतीक है, ये खेल केवल ताकत ही नहीं, बल्कि हौंसले और आत्मसम्मान की अद्वितीय मिसाल है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत के दिव्यांग भाई-बहन, आज प्रत्येक क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर ने 1972 के ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक की तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसी क्रम में सत्येंद्र सिंह लोहिया पहले ऐसे भारतीय दिव्यांग खिलाड़ी बने, जिन्होंने 12 घंटे में इंग्लिश चैनल तैरकर पार किया। भारत की पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने दोनों हाथ न होने के बावजूद विश्व पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर ये साबित कर दिया कि कमजोरी को किस प्रकार अपनी ताकत बनाया जाता है। इसी तरह दिव्यांग महिला क्रिकेट टीम ने कोलंबों में टी-20 ब्लाइंड वूमेन क्रिकेट वर्ल्ड कप-2025 जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। इसके अलावा टोक्यो पैरालंपिक में अवनी लेखरा ने शूटिंग और सुमित अंतिल ने जैवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व पटल पर अपनी धाक जमाई। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में तो पेरिस में आयोजित पैरालिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने 29 पदक जीतकर इतिहास रचा साथ ही 2025 में दुबई में हुई एशियन यूथ पैरा गेम्स में 110 पदक जीतकर पूरे विश्व को ये बता दिया कि भारतीय पैराओलंपिक खिलाड़ी किसी से कम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने समारोह में उपस्थित पद्मश्री दीपा मलिक का उल्लेख करते हुए कहा कि आप भारत की पहली महिला पैरालंपिक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2016 के रियो पैरालंपिक की शॉटपुट प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था। इसके अलावा आप एक सफल बाइकर, तैराक और कार रैली चालक भी हैं, आपका पूरा सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि बीते एक दशक में भारत के खेल इतिहास में अभूतपूर्व बदलाव आया है, यह दशक भारतीय खेलों का स्वर्णिम अध्याय बन चुका है। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अपनी सीमाओं को तोड़ते हुए दुनिया को दिखाया है कि भारत अब केवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाला देश नहीं रह गया है, आज का 'नया भारत' मुकाबला जीतने के लिए खेलता है। इस परिवर्तन के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट सोच और मजबूत नीति रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का खेलों के प्रति प्रेम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके नेतृत्व में भारत का खेल बजट पहले के मुकाबले तीन गुणा बढ़ चुका है। केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई 'खेलो इंडिया' मुहिम देश के प्रत्येक हिस्से से विभिन्न खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में कामयाब हो रही है। वहीं इससे देश में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर भी मजबूत हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि पिछले वर्ष हमारे राज्य में आयोजित हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य एवं सफल आयोजन ने उत्तराखंड को 'देवभूमि'' के साथ - साथ 'खेलभूमि' के रूप में भी स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। राष्ट्रीय खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर 7वां स्थान प्राप्त किया। प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से राज्य में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का प्रयास कर रही है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तराखंड केवल राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन करने में भी सक्षम बन सका है।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग खिलाड़ियों के माता-पिताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी ने दिव्यांग बच्चों को कभी कमजोर नहीं समझा, बल्कि उन्हें अपनी ताकत बनाया। आज ये बच्चे पूरे देश के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार ऐसे हर प्रयास में दिव्यांग खिलाड़ियों के साथ खड़ी ह...

डीएसओ और सहायक 50 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

पथर प्रवाह, हरिद्वार। विजिलेंस टीम ने हरिद्वार में जिला पूर्ति अधिकारी और उनके सहायक को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मचा है। जानकारी के अनुसार जिला पूर्ति कार्यालय में ही विजिलेंस ने कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि किसी राशन डीलर से जिला पूर्ति अधिकारी ने 50 हजार रुपये की मांग की थी। इस संबंध में पीड़ित ने विजिलेंस को शिकायत करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई थी। शुक्रवार को देहरादून से पहुंची विजिलेंस टीम ने जाल बिछाकर जिला पूर्ति अधिकारी और उनके सहायक गौरव शर्मा को रंगे हाथ गिरफ्तार करते हुए भ्रष्टाचार के तौर पर वसूली गई रकम भी बरामद कर ली। विजिलेंस की टीम दोनों को हिरासत में लेने के बाद विस्तृत पूछताछ और जांच पड़ताल में जुट गई है।

गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी के पूर्व जीएम राजकुमार रावत की अस्थियां गंगा में प्रवाहित

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

गुरुकुल कांगड़ी फार्मेसी के पूर्व जीएम डॉ. राजकुमार रावत की अस्थियां आज हर की पैड़ी हरिद्वार ब्रह्म कुंड में वैदिक विधि विधान के साथ विसर्जित की गई। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहित रमन पचभैया ने डॉ राजकुमार रावत के अस्थि अवशेष गंगा में विसर्जित कराए। इस अवसर पर पंडित सागर पांडे ने कर्मकांड संपन्न किया।

डॉ राजकुमार रावत की अस्थियां उनके बड़े पुत्र बृजेश सिंह ने वैदिक विधि विधान के साथ गंगा में विसर्जित किए। इस अवसर पर उनके छोटे बेटे अभय प्रताप सिंह, नवनीत राणा उनके पौत्र दिवाकर विक्रम सिंह, डॉ राजकुमार रावत के छोटे भाई कांति रावत, गंगा सभा के सभापति कृष्ण कुमार शर्मा ठेकेदार, अध्यक्ष नितिन गौतम, उज्ज्वल पंडित, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व दर्जाधारी मंत्री संजय पालीवाल, भाजपा के जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा पूर्व मेयर मनोज भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद चंद्र शर्मा आदि आदि मौजूद थे। डॉ राजकुमार रावत

को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गंगा सभा के अध्यक्ष पंडित नितिन गौतम ने कहा कि राजकुमार रावत जी एक अच्छे उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया और गंगा सभा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

संपादकीय

जीरो टॉलरेंस की नीति जमीन पर उतरी

उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सख्त और स्पष्ट नीति अब केवल नारे तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि लगातार ठोस कार्रवाइयों के रूप में सामने आ रही है। हरिद्वार में जिला पूर्ति अधिकारी और उसके सहायक की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तारी इसी नीति का ताजा और मजबूत उदाहरण है। यह कार्रवाई न सिर्फ प्रशासनिक तंत्र के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार है, बल्कि ईमानदार अधिकारियों और आम जनता के लिए एक भरोसेमंद संदेश भी है।

सरकारी तंत्र का उद्देश्य जनता की सेवा है, न कि पद का दुरुपयोग कर निजी लाभ अर्जित करना। दुर्भाग्यवश, कुछ अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को भूलकर जनता की मजबूरी को अवसर में बदलने का प्रयास करते हैं। ऐसे मामलों में यदि सरकार केवल बयानबाजी तक सीमित रहे, तो व्यवस्था पर से भरोसा उठना स्वाभाविक है। लेकिन विजिलेंस विभाग की इस कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि उत्तराखंड में अब भ्रष्टाचार को संरक्षण नहीं, बल्कि सख्त सजा मिलेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अपनाई गई 'जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन' नीति का सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यह है कि जांच एजेंसियों को पूरी स्वतंत्रता दी गई है। हरिद्वार की कार्रवाई दर्शाती है कि सूचनाओं का गंभीरता से संज्ञान लिया जा रहा है, योजनाबद्ध ढंग से जाल बिछाए जा रहे हैं और दोषियों को रंगे हाथों पकड़ने में कोई संकोच नहीं किया जा रहा। इससे प्रशासनिक मशीनरी में भय के साथ-साथ जवाबदेही भी पैदा हुई है।

पिछले कुछ वर्षों में रिश्वत लेते अधिकारियों की गिरफ्तारी, अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई और विभागीय दंड जैसे कदमों ने यह साबित किया है कि सरकार की मंशा साफ है। इसका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है, जिनका शासन-प्रशासन पर विश्वास मजबूत हो रहा है। जब जनता देखती है कि शिकायत करने पर कार्रवाई होती है, तो वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस भी करती है।

हालांकि, यह भी आवश्यक है कि ऐसी कार्रवाइयां निरंतर और निष्पक्ष बनी रहें। केवल छोटी मछलियों तक सीमित कार्रवाई से व्यवस्था पूरी तरह शुद्ध नहीं हो सकती। बड़े और प्रभावशाली पदों पर बैठे भ्रष्ट तत्वों पर भी उसी दृढ़ता से हाथ डालना होगा।

हरिद्वार की यह घटना एक स्पष्ट संकेत है कि उत्तराखंड अब भ्रष्टाचार को सहन करने के मूड में नहीं है। यदि यही सख्ती और पारदर्शिता बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब राज्य सुशासन और ईमानदार प्रशासन की मिसाल के रूप में देश के सामने खड़ा होगा।

युवाओं को साइबर स्लेवरी में धकेल रहे हैं कबूतर बाज

मनोज कुमार अग्रवाल

विदेश मे जाकर नौकरी रोजगार कर बेशुमार दौलत कमाने का सपना किसे अच्छा नही लगता है? अच्छे पैसे कमाए और बेहतर जीवन जीने की अभिलाषा कबूतर बाज एजेंटों के जाल में फंस कर जीवन बर्बाद कर रही है । इन एजेंटों के दिखाए सब्जबाग में अपने सुखद भविष्य के सपने संजोकर अनेक युवा किसी भी तरीके से विदेश पहुंचने की कोशिश करते रहते हैं परंतु उनमें से अनेक युवक जालसाज ट्रैवल एजेंटों के हाथों ठगी का शिकार हो रहे हैं जिनकी मात्र इसी महीने के 4 दिनों में सामने आई घटनाएं निम्न में दर्ज हैं :

14 जनवरी मेरठ शहर के आजाद चौक व कांधला क्षेत्र के छह युवकों को सिंगापुर और मलेशिया में मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी का झांसा देकर 26 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। यही नहीं, दो युवकों को फर्जी कागजात के आधार पर मलेशिया भेज दिया गया, जहां उन्हें 15 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया। तीन जनवरी को दोनों युवक किसी तरह भारत लौटे। पीड़ितों ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। एसपी ने मामले की जांच शुरू करा दी है।

14 जनवरी नोएडा पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं को ठगने और साइबर अपराधियों के हवाले करने वाले फर्जी एजेंट शुभम को गिरफ्तार किया है. आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पीड़ितों से पैसे वसूल करता था और उन्हें थाईलैंड, म्यांमार में साइबर स्लेवरी में फंसा देता था. पुलिस आरोपी के नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की गहन जांच कर रही है.

14 जनवरी को ही दुबई में फंसे उत्तराखंड रुद्रपुर के चार युवकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस से गुहार लगाई है. जिसके बाद एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने मामले की जांच सौंपते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. 4 जनवरी, 2026 को सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में एक एजेंट द्वारा विदेश जाने के इच्छुक युवक को अमरीका पहुंचाने का वायदा करके उससे 60 लाख रुपयों की ठगी करने का मामला सामने आया। शिकायतकर्त्ता के अनुसार पहले उसे दुबई ले जाया गया और वहां से अजरबैजान भेज दिया। 6 जनवरी को जम्मू में अनिल किशोर नामक एक पीड़ित ने एक ट्रैवल एजैंट मां-बेटे के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपियों ने उसे कम्बोडिया का वर्क वीजा दिलाने के नाम पर उससे 1.20 लाख रुपए लिए थे परंतु न तो वीजा दिलवाया और न ही रकम वापस की गई।

6 जनवरी को ही नवादा (बिहार) में एजाजुल हसन नामक युवक ने विदेश भेजने का झांसा देकर उससे 1 लाख 30 हजार रुपए ठगने के आरोप में ठग ट्रैवल एजैंट के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 जनवरी को ही फतेहपुर (उत्तर प्रदेश) में एक युवक को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे 1.40 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक ठग ट्रैवल एजैंट को गिरफ्तार किया गया।

7 जनवरी को हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के भोरंज में विदेश में नौकरी दिलवाने के नाम पर एक युवक से ठगी का मामला सामने आया। आरोप है कि बोगस ठग ट्रैवल एजैंट ने उक्त युवक को थाईलैंड में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर वहां भेजने की बजाय म्यांमार भेज दिया।

7 जनवरी को ही एक व्यक्ति ने चंडीगढ़ के सैक्टर 17 थाने में कनाडा का वर्क परमिट दिलाने का झांसा देकर उससे 18 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में एक ट्रैवल एजैंट के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई।

7 जनवरी को ही पंचकूला (हरियाणा) में एंटी इमीग्रेशन फ्राड यूनिट ने शिकायतकर्ता को स्टडी वीजा दिलाने का झांसा देकर उससे 13 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में एक बोगस ट्रैवल एजैंट को गिरफ्तार किया।

7 जनवरी को ही कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश) में एक व्यक्ति को विदेश भेजने के बहाने उससे 60,000 रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक ठग ट्रैवल एजेंट के विरुद्ध केस दर्ज किया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने उसे विदेश नहीं भेजा और अपने पैसे वापस मांगने पर गंभीर परिणामों की धमकियां देनी शुरू कर दीं। 7 जनवरी को ही प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में एक युवक को सऊदी अरब में नौकरी दिलवाने के बहाने एक ट्रैवल एजैंट द्वारा उससे 1.25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया। आरोपी ने न तो उसे वीजा दिलवाया और न ही नौकरी दिलवाई तथा बाद में उसका फोन उठाना भी बंद कर दिया।

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रुवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। 'विलायत-ए-फकीह' की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है।

इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं। अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, 'विदेशी साजिश' का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता।

विश्व पुस्तक मेला : शब्दों का महाकुंभ, ज्ञान, शौर्य और संस्कृति का शाश्वत उत्सव

योगेश कुमार गोयल

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी तक आयोजित हो रहा 53वां नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तेजी से डिजिटल स्क्रीन पर सिमटती जा रही है और पढ़ने की आदत को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन न केवल किताबों का बाजार है बल्कि यह उम्मीद का वह दीप भी है, जो बताता है कि शब्दों की रोशनी अब भी मनुष्यता का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन के सहयोग से आयोजित यह नौ दिवसीय मेला इस वर्ष कई मायनों में ऐतिहासिक है। पहली बार इसकी एंट्री पूरी तरह मुफ्त रखी गई है, जिससे ज्ञान तक पहुंच को सचमुच लोकतांत्रिक बनाया गया है। यह कदम केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि उस सोच का विस्तार है, जिसमें किताबों को किसी विशेष वर्ग की वस्तु नहीं बल्कि समाज की साझा धरोहर माना गया है। जब किसी मेले में प्रवेश के लिए जेब नहीं, केवल जिज्ञासा की जरूरत हो तो वहां ज्ञान अपने आप ही जनांदोलन का रूप ले लेता है।

इस वर्ष पुस्तक मेले की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहासः शौर्य और ज्ञान ञ्च75' अपने आप में गहरी अर्थवत्ता समेटे हुए है। आजादी के 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने केवल सीमाओं की रक्षा ही नहीं की बल्कि रणनीतिक बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक प्रगति और मानवीय मूल्यों के साथ सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। हॉल नंबर 5 में बना थीम पवेलियन एक जीवंत इतिहास बनकर सामने आता है, जहां अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां केवल तकनीकी उपलब्धियां नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी कहती हैं। 21 परमवीर चक्र विजेताओं को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल यह याद दिलाता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल शब्द नहीं बल्कि अनगिनत बलिदानों का परिणाम हैं। यहां प्रदर्शित 500 से अधिक पुस्तकें और 100 से अधिक थीम आधारित कार्यक्रम सैन्य इतिहास को केवल युद्धों की कथा नहीं, नीति, विज्ञान और राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं।

मेले का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पुस्तकों को पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु बताया। पुस्तकें सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। डिजिटल युग में ज्ञान को सुलभ और समावेशी बनाने की सरकार की प्राथमिकता इस मेले में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से 23 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध 6000 से ज्यादा मुफ्त ई-बुक्स और टेक्स्ट-टू-स्पीच जैसी सुविधाएं यह साबित करती हैं कि तकनीक और पुस्तकें एक-दूसरे की विरोधी नहीं बल्कि पूरक हो सकती हैं। यह मेला इस बहस को भी विराम देता है कि डिजिटल माध्यम छपी हुई किताबों का स्थान ले लेंगे। यहां दोनों एक साथ, एक-दूसरे को मजबूत करते दिखाई देते हैं।

विश्व पुस्तक मेले की सबसे सुंदर तस्वीर शायद वह है, जहां जेन-जी के युवा, जिन्हें अक्सर 'स्क्रीन की पीढ़ी' कहकर किताबों से दूर मान लिया जाता है, कागज के पन्नों में डूबे नजर आते हैं। पिक्सल्स के शोर से निकलकर वे शब्दों की गहराई को टटोलते हैं, अपनी पसंदीदा किताबें ढूंढ़ते हैं और बताते हैं कि तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, सुकून आज भी किताबों में बंद ज्ञान से ही मिलता है। कतर पवेलियन में हिंदी और उर्दू के तैरते अक्षरों को देखकर तकनीक में निपुण युवा भी ठहर जाते हैं। वे लुप्त होते पारंपरिक खेलों, गायब होते पक्षियों और सांस्कृतिक स्मृतियों की किताबों में खुद को खोजते हैं। यह दृश्य इस बात का प्रमाण है कि युवा पीढ़ी को किताबों से दूरी नहीं बल्कि सही मंच और माहौल की जरूरत है।

इस वर्ष मेले की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। 35 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक, 1000 से अधिक लेखक और वक्ता तथा 600 से ज्यादा साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम इसे सचमुच वैश्विक उत्सव बनाते हैं। कतर का गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन का फोकस कंट्री होना भारत के सांस्कृतिक कूटनीति के विस्तार को दर्शाता है। स्पेन-भारत ड्यूल ईयर 2026 के तहत दोनों देशों के लेखकों और साहित्य को मिला मंच यह बताता है कि किताबें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं बल्कि देशों के बीच संवाद का माध्यम भी हैं। पुस्तक मेले की सांस्कृतिक आभा इसे और जीवंत बनाती है। एम्फीथिएटर में हर शाम संगीत, कविता पाठ और नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित हो रही हैं, जहां शब्दों के साथ सुर और अभिनय मिलकर संस्कृति का उत्सव रचते हैं। यहां बुजुर्ग किताबों के बीच बने सेल्फी प्वाइंट पर मुस्कुराहटें कैद करते हैं तो बच्चे 'किड्ज एक्सप्रेस' पवेलियन में कहानी सत्रों और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए सीखने की नई दुनिया में कदम रखते हैं। बच्चों के लिए यह मेला केवल मनोरंजन नहीं बल्कि एक ऐसा अनुभव है, जो उनके मन में किताबों के प्रति आजीवन प्रेम बो सकता है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का इतिहास भी इसकी महत्ता को और गहराई देता है। 1972 में विंडसर प्लेस से शुरू हुआ यह सफर आज 53 वर्षों का हो चुका है। तब केवल 200 प्रकाशक और कुछ ही देश शामिल होते थे, आज यह एशिया के सबसे बड़े और दुनिया के सबसे बड़े बी2सी बुक फेयर में गिना जाता है। यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि बदलते समय के बावजूद पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ बल्कि हर दौर में नए रूप में सामने आया है। पुस्तकें केवल जानकारी नहीं देती, वे सोचने की क्षमता विकसित करती हैं। इलैक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया हमें त्वरित सूचनाएं तो देते हैं लेकिन अक्सर निष्क्रिय स्वीकृति की आदत डाल देते हैं। इसके विपरीत, पुस्तकें ध्यान, एकाग्रता और कल्पनाशीलता की मांग करती हैं। वे प्रश्न पूछने की क्षमता जगाती हैं और उत्तर खोजने का धैर्य सिखाती हैं। जब हम अकेले होते हैं, उदास या परेशान होते हैं, तब किताबें ही सच्ची मित्र बनकर हमारा साथ देती हैं। यही कारण है कि साहित्यकारों ने सदैव पुस्तकों को अखंड संपत्ति और नैतिकता की संदेशवाहक माना है।

यूएसडीएमए की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए प्रशिक्षु डिप्टी एसपी, आपदा प्रबंधन में बतायी पुलिस की भूमिका

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) में वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु डिप्टी पुलिस अधीक्षक राज्य की आपदा प्रबंधन प्रणाली, संस्थागत ढांचे तथा आपदा प्रबंधन के विभिन्न चरणों में पुलिस के अधिकारियों तथा विभाग की भूमिका से रूबरू हुए।

इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली, आईआरएस (इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम) की अवधारणा एवं संरचना, चेतावनी प्रसारण तंत्र, आपदा पूर्व तैयारी, आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया तथा आपदा उपरांत पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण की प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की भूमिका, नीतिगत दिशा-निर्देशों तथा राज्य स्तर पर उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया।

अधिकारी एसईओसी और डीईओसी की कार्य प्रणाली से भी रूबरू हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि आपदा प्रबंधन के संपूर्ण चक्र-आपदा पूर्व, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद की प्रक्रिया में पुलिस विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में पुलिस बल सबसे पहले मौके पर पहुंचने वाले प्रमुख एजेंसियों में से एक होता है, जिसकी जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा, त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय सहयोग देना भी होती है।

उन्होंने बताया कि आपदा के समय पुलिस की प्रमुख भूमिका में प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित पहुंच सुनिश्चित करना, सुरक्षित निकासी (एवैक्यूएशन), भीड़ एवं यातायात प्रबंधन, राहत सामग्री के निर्बाध वितरण में सहयोग, संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा, अफवाहों पर नियंत्रण तथा सटीक सूचना का संप्रेषण शामिल है। इसके अतिरिक्त प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य, अग्निशमन, एसडीआरएफ एवं अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारियों को भविष्य में एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के रूप में आपदा प्रबंधन से जुड़ी रणनीतिक एवं नेतृत्वकारी भूमिकाओं का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में डेडिकेशन, डिवोशन, मानवीय संवेदनशीलता, अनुशासन और त्वरित निर्णय क्षमता ही प्रभावी आपदा प्रबंधन की कुंजी होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के अभिमुखीकरण कार्यक्रम प्रशिक्षु डिप्टी एसपी को आपदा प्रबंधन की जमीनी समझ प्रदान करेंगे तथा वे भविष्य में राज्य की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो0 ओबैदुल्लाह अंसारी, डॉ. पीडी माथुर, मनीष भगत, डॉ. पूजा राणा के साथ ही प्रशिक्षु डिप्टी एसपी दक्ष शोखंद, आदित्य तिवारी, लव शर्मा, दिव्येश उपाध्याय, अंकित थपलियाल, समीरण भट्ट, विनय सिंह, अवनी तिवारी, दीप्ति कैड़ा एवं तनुजा बिष्ट उपस्थित रहे।

एक नजर

महिला उत्पीड़न के मामले में अपर्णा यादव का मेडिकल कालेज जाना उचित: आयोग

अमेठी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ बबिता सिंह ने केजीएमयू में अपर्णा यादव और कुलपति के विवाद को लेकर कहा कि महिला आयोग की उपाध्यक्ष का किसी भी महिला उत्पीड़न मामले में जाना उचित है। डा बबिता सिंह ने शुक्रवार को अमेठी में पत्रकारों से बातचीत में महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव का समर्थन करते हुए कहा कि यदि अपर्णा यादव वहां गई थी तो वहां किसी जिम्मेदार को अपर्णा यादव से मिलना चाहिए था। महिला आयोग कहीं भी जा सकता है।

भाजपा अध्यक्ष चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव, पहली बार आडवाणी और जोशी मतदाता सूची से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार ऐसा होने जा रहा है, जब पार्टी अध्यक्ष के चुनाव में वरिष्ठ नेता और संस्थापक सदस्यों में शामिल लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी का नाम मतदाता सूची में नहीं होगा। बीजेपी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जिसके तहत देश भर से कुल 5708 निर्वाचक इस प्रक्रिया में शामिल होंगे। आवश्यकता पड़ने पर 20 जनवरी को मतदान कराया जाएगा।

भाजपा की परंपरा रही है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव आम राय से होता है। इसी परंपरा के तहत इस बार भी चुनाव औपचारिक माना जा रहा है और नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय समझा जा रहा है। हालांकि इस चुनाव से जुड़ा एक तथ्य राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से खास माना जा रहा है। पार्टी की स्थापना वर्ष 1980 के बाद से यह पहली बार है, जब लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन मंडल का हिस्सा नहीं हैं। भाजपा संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनावों की एक तय प्रक्रिया होती है। सबसे पहले बूथ स्तर पर अध्यक्ष चुने जाते हैं, इसके बाद मंडल, जिला और फिर प्रदेश स्तर पर संगठन चुनाव होते हैं। इन सभी चरणों के पूरा होने के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए निर्वाचन मंडल का गठन किया जाता है। इस निर्वाचन मंडल में राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य शामिल होते हैं।

असम चुनाव के लिए कांग्रेस की महाबैठक : गुवाहाटी में 20 जनवरी को खुलेगा रणनीति का पिटारा

नयी दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव 2026 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को दिल्ली में एक बेहद खास बैठक की।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इस बैठक में सर्वश्री राहुल गांधी, के.सी. वेणुगोपाल और असम के प्रभारी जितेंद्र सिंह सहित कई दिग्गज नेता शामिल हुए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को घेरने के लिए एक ठोस चुनावी रोडमैप तैयार करना था।

पुस्तकालय में उपयोगी पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करवाएं: एडीएम

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जिला निरीक्षण समिति द्वारा राजकीय संप्रेषण गृह (किशोर) गडोली एवं राजकीय विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समिति के अध्यक्ष/अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल द्वारा संस्थान परिसर का अवलोकन किया गया। परिसर की स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था, आवासीय सुविधाएं, भोजन व्यवस्था, अध्ययन एवं मनोरंजन की व्यवस्थाओं को संतोषजनक एवं सुव्यवस्थित पाया गया। उन्होंने बच्चों के लिए उपलब्ध अध्ययन सामग्री, खेलकूद एवं मनोरंजन सुविधाओं की समिति द्वारा सराहना की।

अपर जिलाधिकारी ने जिला परिवीक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि संस्थान के पुस्तकालय (लाइब्रेरी) में बच्चों के बौद्धिक विकास हेतु अतिरिक्त पुस्तकें, विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध करायी जाएं, जिससे बच्चों को भविष्य की तैयारी हेतु बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

इसके उपरांत जिला निरीक्षण समिति द्वारा चाइल्डलाइन/हेल्पलाइन 1098 एवं जिला बाल संरक्षण कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बच्चों से संबंधित मामलों की फाइलों की जांच, कार्यवाही का प्रबंधन, फॉलो-अप कार्यवाही एवं अन्य संबंधित मामलों की स्थिति की समीक्षा की गयी। समिति द्वारा समस्त कार्यवाही को नियमों के अनुरूप एवं संतोषजनक पाया गया तथा संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों के संबंध में संक्षिप्त विवरण भी प्राप्त किया गया।

जिला निरीक्षण समिति द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि जिला परिवीक्षा कार्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त संस्थानों में बच्चों के अधिकार, सुरक्षा, पुनर्वास एवं सर्वांगीण विकास से संबंधित सेवाओं की गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखा जाए तथा समय-समय पर प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाय। इस अवसर पर जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार, मनोचिकित्सक डॉ. आशीष गुसाईं, सामाजिक कार्यकर्ता अरुण, संरक्षण अधिकारी सागर लिंगवाल, एमओआईसी डॉ. पंकज सिंह सहित बाल कल्याण समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

नर्सिंग कॉलेज टिहरी को एमएससी पाठ्यक्रम संचालन की मंजूरी, शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शुरू होंगी कक्षाएं

पथ प्रवाह, देहरादून।

कैबिनेट मंत्री डॉ धनसिंह रावत के प्रयासों से प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। टिहरी जनपद के राजकीय नर्सिंग कॉलेज सुरसिंधार में एमएससी पाठ्यक्रम संचालन को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नर्सिंग कॉलेज में विधिवत पीजी कक्षाओं का संचालन शुरू किया जायेगा। इसके साथ ही निर्धारित 10 सीटों पर छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की मान्यता मिलने से बीएससी नर्सिंग प्रशिक्षुओं को टिहरी में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश में उच्च स्तरीय व गुणात्मक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये निरंतर प्रयासरत है। इसके लिये सरकार नये मेडिकल कॉलेजों व नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना के साथ-साथ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों

के संचालन पर भी विशेष जोर दे रही है, ताकि प्रदेश को कुशल, विशेषज्ञ व अनुभवी चिकित्सक एवं मेडिकल स्टॉफ मिल सके। इसी कड़ी में सरकार ने राजकीय नर्सिंग कॉलेज टिहरी में पीजी कक्षाओं के संचालन को मंजूरी दी है।

विभागीय मंत्री ने कहा कि नर्सिंग कॉलेज में एमएससी पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल 10 सीटों को स्वीकृत दी गई है। जिसमें कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग, आब्सटेट्रिकल एंड गायनोकोलॉजी नर्सिंग, मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग व मेन्टल हेल्थ नर्सिंग विषयों में 2-2 सीटें शामिल है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इन विषयों में एमएससी नर्सिंग के नवीन पाठ्यक्रम का विधिवत संचालन किया जायेगा। डॉ. रावत ने कहा कि लम्बे समय से नर्सिंग कॉलेज टिहरी में एमएससी पाठ्यक्रम संचालन की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार द्वारा कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रम संचालन को विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। जिसके उपरांत विभागीय स्तर पर सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुये मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा एमएससी नर्सिंग कक्षाओं के संचालन की संस्तुति सरकार को की गई। डॉ. रावत ने बताया कि वर्तमान में नर्सिंग कॉलेज टिहरी में बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम 40 सीटों के साथ संचालित किया जा रहा है, अब एमएससी नर्सिंग की 10 सीटों के साथ पीजी कक्षाओं का संचालन शुरू हो जायेगा। सरकार नर्सिंग कॉलेज में शैक्षणिक क्षमता एवं गुणवत्ता विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देगी।

हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की 85वीं बोर्ड बैठक में महायोजना-2041 पर मंथन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण की 85वीं बोर्ड बैठक गढ़वाल मंडल आयुक्त एवं अध्यक्ष हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में हरिद्वार और रुड़की क्षेत्र के सुनियोजित विकास को लेकर महत्वपूर्ण निर्णयों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उपाध्यक्ष हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण सोनिका, जिलाधिकारी हरिद्वार के प्रतिनिधि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, सचिव वित्त, सचिव सिंचाई विभाग, सचिव तीर्थाटन एवं पर्यटन, सचिव जल निगम, मुख्य ग्राम एवं नगर नियोजक उत्तराखण्ड (देहरादून) तथा प्रमुख सचिव आवास विभाग उत्तराखण्ड शासन के प्रतिनिधि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त नगर निगम हरिद्वार नंदन कुमार एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर राजीव शर्मा भी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ

सचिव हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण मनीष सिंह ने सभी आगंतुकों के स्वागत के साथ किया गया। अध्यक्ष की अनुमति के उपरांत बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई। बोर्ड बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि एवं उसके अनुपालन सहित कुल आठ महत्वपूर्ण प्रस्तावों को शामिल किया गया, जिन पर विस्तृत और गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य आकर्षण हरिद्वार महायोजना-2041 और रुड़की महायोजना-2041 रहा। मुख्य ग्राम एवं नगर नियोजक उत्तराखण्ड द्वारा दोनों महायोजनाओं पर अब तक की गई कार्यवाही का विस्तृत प्रस्तुतिकरण बोर्ड सदस्यों के समक्ष रखा गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान शहरी विस्तार, आधारभूत ढांचे के विकास, यातायात प्रबंधन, आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के संतुलित विकास, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नियोजन पर विस्तार से चर्चा की गई।

अध्यक्ष ने कहा कि हरिद्वार-रुड़की क्षेत्र राज्य की आस्था, शिक्षा और औद्योगिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए यहां का विकास सुव्यवस्थित, पारदर्शी और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महायोजनाओं को समयबद्ध तरीके से अंतिम रूप दिया जाए, ताकि क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके।

बैठक के अंत में उपाध्यक्ष हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण ने बोर्ड अध्यक्ष सहित सभी बोर्ड सदस्यों का आभार व्यक्त किया और बैठक के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एक नजर

हरिद्वार पुलिस की सख्ती, चाईनीज मांझा के गट्टूओं के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शहर में चाइनीज मांझा बेचने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कनखल पुलिस ने एक व्यक्ति को प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस लगातार अभियान चलाकर जहां चेकिंग कर रही है वहीं दुकानदारों को नोटिस भी दे रही है कि चाईनीज मांझा पाये जाने पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी होगी। कनखल थाना पुलिस के मुताबिक मुखबिर खास ने सूचना दी कि एक व्यक्ति द्वारा चाईनीज माझा का प्रयोग किया जा रहा है। सूचना पर थाना कनखल से पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति के मकान पर दबिश दी गयी। जहां दलजीत निवासी खन्ना निवास राजघाट थाना कनखल के पास 3 गट्टू चाईनीज मांझे पाये गये। उपरोक्त व्यक्ति को उक्त मांझे के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना क्षेत्र में पूर्व में भी कई बार चाईनीज मांझा के सम्बन्ध में जन जागरुकता अभियान चलाया गया। पतंग बिक्रेताओं की दुकानों में लगातार छापे मारी की जा रही है। दो दिन पूर्व एक शख्स चाईनीज मांझे से गला कटने से बालबाल बचा। इतनी सख्ती के बावजूद भी चोरी छिपे चाईनीज मांझा का प्रयोग करने पर अभियुक्त के बिरुद्ध आवश्यक अग्रिम कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय पेश किया जायेगा। हरिद्वार पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वह किसी भी प्रकार से चाइनीज माझा का प्रयोग ना करें, अगर आपके आसपास कोई इसका व्यापार कर रहा हो तो इसकी सूचना पुलिस को अवश्य दें आपका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष मनोहर सिहं रावत, एसएसआई सतेन्द्र भण्डारी, एएसआई नन्द किशोर, हेडकांस्टेबल जितेन्द्र कुमार और कांस्टेबल संजू सैनी शामिल रहे।

नोर्का रूट्स ने ईरान में केरलवासियों के लिए हेल्पडेस्क स्थापित किया

तिरुवनंतपुरम। ईरान में वर्तमान सुरक्षा चिंताओं और क्षेत्र में तनाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए, मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देशों के अनुसार नोरका रूट्स ने वहां रहने वाले केरलवासियों के लिए एक विशेष सहाता डेस्क सक्रिय किया है।

नोरका ने कहा है कि जिन केरलवासियों को मदद की ज़रूरत है, वे टोल-फ्री नंबर या इंटरनेशनल मिस्ड-कॉल सुविधा के ज़रिए नोरका ग्लोबल कॉन्टैक्ट सेंटर हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं।

इस बीच, विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। आपातकाल की स्थिति में भारतीय नागरिक हेल्पलाइन नंबरों के ज़रिए तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क कर सकते हैं या ईमेल के ज़रिए संपर्क कर सकते हैं।

ईरान में भारतीय नागरिकों को तेहरान में भारतीय दूतावास द्वारा जारी सलाह का सख्ती से पालन करने का भी निर्देश दिया गया है। देश में रेजिडेंट वीज़ा पर रहने वालों से दूतावास में पंजीकरण कराने का आग्रह किया गया है।

बहुउद्देशीय शिविरों से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है योजनाओं का लाभः अपर सचिव

पथ प्रवाह, पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत विकासखंड खिर्सू की न्याय पंचायत चमराड़ा में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।

शिविर में कुल 512 लोगों ने सहभागिता की। इस दौरान 31 शिकायतें दर्ज की गयीं, जबकि 137 लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए अपर सचिव गिरधारी सिंह रावत ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी

एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुउद्देशीय शिविर दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं, क्योंकि इससे लोगों को जिला मुख्यालय या ब्लॉक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और सेवाएं गांव स्तर पर ही उपलब्ध हो रही हैं।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि, उद्यान, एनआरएलएम सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों के आवेदन मौके पर ही स्वीकृत किए।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी श्रीनगर नूपुर वर्मा, नोडल अधिकारी शिविर एवं परियोजना अधिकारी उरेडा सी. पी. उपाध्याय, तहसीलदार दीपक भंडारी, खंड विकास अधिकारी अमित बिजल्वाण सहित अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मोदी असम, बंगाल के दौरे में पहली एसी स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस , नौ अमृत भारत एक्सप्रेस और दो अन्य ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार और रविवार को पश्चिम बंगाल और असम के अपने दो दिन के दौरे में कोलकाता (हावड़ा) और कामाख्या (गुवाहाटी) के बीच पहली स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी देने के साथ ही दोनों राज्यों के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से देश के विभिन्न स्थानों के लिए नौ आधुनिक सुविधाओं से सज्जित अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन करेंगे।

मोदी इसके साथ पश्चिम बंगाल में बंगलादेश की सीमा के पास राधिकापुर स्टेशन और बलूरघाट स्टेशन से बेंगलूर के लिए दो एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं का भी शुभारंभ करेंगे। रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि इन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शुरू होने से लोगों के आवागमन की सुविधा बढ़ने के साथ साथ व्यापार और पर्यटन को भी बढावा मिलेगा।

मोदी इस दो दिन के दौरे में शनिवार को मालदा (पश्चिम बंगाल) में मालदा टाउन रेलवे स्टेशन का दौरा करेंगे, जहां वे कोलकाता (हावड़ा) और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच वंदे भारत एसी स्लीपर ट्रेन को झंडी दिखा कर रवाना करेंगे और वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कामाख्या से हावड़ा के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। रेलवे का 2047 तक तीव्र रफ्तार, घरेलू डिजाइन तथा अधिक सुविधा और सुरक्षा वाली प्रणालियों से युक्त 4500 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का लक्ष्य है। वह कल ही वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हरी झंडी दिखा कर पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार स्टेशनों से चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को रवाना करेंगे।

इनमें से न्यू जलपाईगुड़ी से तमिलनाडु के नागरकोइल और तिरुचिरापल्ली के लिए दो अलग अलग ट्रेन तथा अलीपुरद्वार से एसएमवीटी बेंगलुरु तथा मुंबई (पनवेल) के लिए एक-एक ट्रेन होगी। प्रधानमंत्री रविवार को असम में नगांव जिले के कालियाबोर में आयोजित कार्यक्रम से गुवाहाटी- रोहतक तथा डिब्रूगढ़ लखनऊ के बीच दो अलग-अगल अमृत भारत ट्रेनों को और पश्चिम बंगाल में सिलिगुड़ी जिले में आयोजित कार्यक्रम स्थल से कोलकाता (हावड़ा)- आनंद विहार, कोलकाता (सियालदह)-बनारस और कोलकाता (सतरगाछी) - ताम्बरम के बीच तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को डिजिटल तरीके से हरी झंडी दिखायेंगे। रेल मंत्रालय ने कहा है कि भूटान के गेटवे से लेकर भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरू को जोड़ने वाली अलीपुरद्वार-बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस पूर्वी और दक्षिणी भारत के बीच एक मज़बूत लिंक बनाएगी। यह ट्रेन हफ़्ते में दोनों ओर से एक बार चलायी जाएगी। यह अलीपुरद्वार से एसएमवीटी बेंगलुरु के लिए रात 10:25 बजे (सोमवार) को रवाना होगी और बेंगलुरु सुबह 3:00 बजे (गुरुवार को) पहुँचेगी। बेंगलुरु से यह शनिवार सुबह 8:50 बजे रवाना होगी और सोमवार को सुबह 10:25 बजे अलीपुरद्वार पहुँचेगी। यह ट्रेन पश्चिम बंगला में अलीपुरद्वार, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, उत्तर दिनाजपुर, मालदा, बीरभूम, पुरबा बर्धमान, हुगली, हावड़ा और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों को, बिहार में यह किशनगंज और कटिहार को , ओडिशा में, बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर, कटक, खोरधा और गंजाम जैसे ज़िलों आंध्र प्रदेश में, यह रूट श्रीकाकुलम, विजयनगरम, विशाखापत्तनम, पूर्वी गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, गुंटूर, प्रकाशम और नेल्लोर तथा तमिलनाडु और कर्नाटक में वेल्लोर, चित्तूर, कोलार और बेंगलुरु शहरी जिलों को जोड़ेगी। इसी तरह कामाख्या- रोहतक साप्ताहिक सेवा अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा कामाख्या से शुक्रवार को रात 10:00 बजे रवाना होगी और रविवार को दोपहर 2:45 बजे रोहतक पहुँचेगी। रोहतक से वापसी रात 10:10 बजे चल कर मंगलवार को दोपहर 12:15 बजे कामाख्या पहुँचेगी। यह ट्रेन असम में कामरूप, बारपेटा, बोंगाईगांव और कोकराझार, पश्चिम बंगाल में कूच बिहार और जलपाईगुड़ी, बिहार में किशनगंज, कटिहार, भागलपुर, खगड़िया, सारण, बेगुसराय और वैशाली, उत्तर प्रदेश में बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, भदोही, प्रयागराज, कानपुर नगर, फिरोजाबाद और गाजियाबाद, और हरियाणा में झज्जर और रोहतक सहित जिलों के यात्रियों के लिए सुविधा देगी।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पदेन सदस्य के रूप में अतुल वशिष्ठ को नामित किया अपना प्रतिनिधि

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार लोकसभा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शिवालिकनगर नगरपालिका के पदेन सदस्य के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता अतुल वशिष्ठ को नगरपालिका परिषद शिवालिकनगर में अपना प्रतिनिधि नामित किया है। लम्बे समय से भाजपा के विभिन्न पदों पर रहे अतुल वशिष्ठ गत निकाय चुनाव में चेयरमैन पद के प्रबल दावेदार थे। उनकी नियुक्ति पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान के कार्यालय पर कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

अतुल वशिष्ठ की नियुक्ति पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के द्वारा

शिवालिकनगर नगरपालिका में अतुल वशिष्ठ को प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने से क्षेत्र में विकास कार्यों में तेजी आयेगी। शिवालिकनगर नगरपालिका में पदेन सदस्य के रूप में सांसद प्रतिनिधि नामित किये जाने पर अतुल वशिष्ठ ने पूर्व मुख्यमंत्री हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत एवं रानीपुर विधायक आदेश चौहान का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जिन अपेक्षाओं को लेकर सांसद ने उन्हें अपने प्रतिनिधि के तौर पर शिवालिक नगरपालिका परिषद् में नामित किया है वह उन पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करेंगे। क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को गति देने के साथ ही आमजन की समस्याओं को दूर करने का पूर्व की भांति प्रयास जारी रहेगा।

उनकी नियुक्ति पर प्रदेश सह मीडिया संयोजक विकास तिवारी, प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष रीता चमोली, प्रदेश ओबीसी मोर्चा महामंत्री राजबीर कश्यप, जिला सोशल मीडिया प्रभारी उमेश पाठक, मंडल अध्यक्ष विपिन शर्मा, वरुण वशिष्ठ, मंडल महामंत्री देवेश वर्मा, भगत सिंह,चेतन चौहान, अंकुर पालीवाल, ब्रजेश शर्मा, सभासद वीरेंद्र अवस्थी, पंकज चौहान, हरिओम चौहान, शीतल पुंडीर, चंद्रभान सिंह, सभासद अमरदीप सिंह रोबिन, डॉ राजकुमार यादव, राधेश्याम कुशवाहा, रमेश पाठक, अनिल राणा, गौरव पुंडीर सहित संदीप राठी, रंजीता झा, गगन उपाध्याय, अनुज शर्मा, चमन चौहान, अविनाश रोहिला, अमित पाठक, अमरीश शर्मा, पवनदीप, रविंद्र कुमार, परविंदर शर्मा, शिवनरेश शर्मा, रवि चौधरी, राकेश राणा आदि अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

एक नजर

अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने न्यायालय में जमा कराया अपना मोबाइल फोन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित ऑडियो वायरल मामले में कथित वीआईपी के नाम का खुलासा का दावा कर चर्चाओं में आने वाले अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने शुक्रवार को हरिद्वार रोशनाबाद स्थित कोर्ट पहुंचकर अपना मोबाइल फोन जमा करा दिया। बताया जा रहा है कि उर्मिला ने जांच से जुड़े अपने मोबाइल फोन को न्यायालय के समक्ष जमा कराया। इसके अलावा अपने वॉयस के सैंपल भी दिए। जानकारी के अनुसार ये वही मोबाइल फोन है जिसमें उर्मिला सनावर ने अंकिता हत्याकांड से जुड़े अहम साक्ष्य और ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद होने का दावा किया था। पूरे प्रकरण की जांच एसआईटी कर रही है। एसआईटी इस मामले में उर्मिला सनावर और पूर्व विधायक सुरेश राठौर से पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ के बाद दोनों से अपने मोबाइल फोन जमा करने के लिए कहा गया था। उर्मिला को तीन दिन पहले अपना मोबाइल फोन जमा कराना था लेकिन उसने अचानक अपनी तबियत खराब होने की बात कही थी, जिसके बाद यह प्रकरण टल गया था। शुक्रवार को उर्मिला सनावर के साथ स्वामी दर्शन भारती भी हरिद्वार पहुंचे। कोर्ट में पेश होने से पहले सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मीडिया को दिये बयान में उर्मिला सनावर ने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए वो लड़ाई लड़ रही हैं। जिस डिवाइस में अंकिता भंडारी केस से जुड़े साक्ष्य हैं, उसे कोर्ट में जमा कराया है। साथ ही उन्होंने अपनी वॉयस के सैंपल भी दिए हैं। उर्मिला ने कहा कि वो मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करती हैं कि उन्होंने इस केस की सीबीआई जांच की संस्तुति की है। कहाकि अभी अंकिता भंडारी को आधा न्याय मिला है। अंकिता को पूरा न्याय तब मिलेगा, जब उस वीआईपी का नाम पूरे उत्तराखंड की जनता के सामने आएगा। मैं सिर्फ चाहती हूं कि अंकिता के साथ न्याय हो, इसके लिए मैं उत्तराखंड की जनता का विश्वास चाहती हूं।

मचाडो ने अपना नोबेल शांति पुरस्कार ट्रंप को भेंट स्वरूप दिया

नयी दिल्ली/वॉशिंगटन, 16 जनवरी (वार्ता) नोबेल शांति पुरस्कार(2025) से सम्मानित मारिया कोरिना मचाडो ने अपना प्रतिष्ठित पुरस्कार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट किया । राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को सुश्री मचादो से मुलाकात के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'आज वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो से मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी। वह एक अद्भुत महिला हैं जो बहुत कुछ झेल चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने डॉ. दीपा मलिक के पैरा स्पोर्टस में उल्लेनीय कार्यों को बताया प्रेरणादायी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से देश की प्रतिष्ठित पैरा एथलीट एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉ. दीपा मलिक ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. दीपा मलिक को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की और पैरा स्पोर्ट्स के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देश और समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। भेंट के दौरान डॉ. दीपा मलिक ने उत्तराखंड में पैरा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और समर्पित मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक पैरा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना का अनुरोध मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में प्रतिभाशाली पैरा खिलाड़ियों की अपार संभावनाएं हैं और यदि उन्हें संरचित प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डॉ. दीपा मलिक के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए इसे महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल

बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों और पैरा खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अपर सचिव श्री आशीष चौहान को दिए, ताकि प्रस्ताव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर आगे की ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर पैरालम्पिक कमेटी ऑफ इंडिया के महासचिव जयवंत हम्मुनावा, इंडिया पैरा पावर लिफ्टिंग के चैयरपर्सन जेपी सिंह, पैरा राव लिफ्टिंग के उपाध्यक्ष शुभम चौधरी, कोर यूनिवर्सिटी के चैयरमैन जेसी जैन, पैरालंपिक पावर लिफ्टर परमजीत कुमार, अशोक, कस्तूरी उपस्थित रहे।

अम्मा के भरोसे पर खरी उतरी नैनीताल पुलिस, 8 घंटे में चोरी का खुलासा

पथ प्रवाह, हल्द्वानी।

बुजुर्ग महिला के विश्वास को कायम रखते हुए नैनीताल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना का महज आठ घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया। चोरी किए गए बक्से को नकदी, कीमती जेवरात और जमीन की महत्वपूर्ण रजिस्ट्री सहित सकुशल बरामद कर लिया गया है।

15 जनवरी 2026 को हल्द्वानी के बद्रीपुरा क्षेत्र निवासी बुजुर्ग महिला दया नेगी ने कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया कि दोपहर के समय एक व्यक्ति किराए पर कमरा लेने के बहाने उनके घर आया। उसने खुद को दीपक बिष्ट निवासी दन्या, अल्मोड़ा बताते हुए 8 हजार रुपये प्रतिमाह किराया तय किया। बातचीत के दौरान उसने महिला को घर के पीछे का गेट खोलने के लिए भेज दिया। इसी मौके का फायदा उठाकर वह घर के दो मंजिले कमरे से लोहे का बक्सा चोरी कर फरार हो गया। बक्से में सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल, सोने की बाली, करीब 10 हजार रुपये नकद, साड़ियां और मकान की रजिस्ट्री रखी थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. ने तत्काल संज्ञान लेते हुए शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज

कुमार कत्याल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी अमित कुमार सैनी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी विजय सिंह मेहता के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई।

टीम ने सीसीटीवी फुटेज और सुरागरसी के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे बरेली रोड मेडिकल कॉलेज गेट के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान वीरेंद्र सिंह बिष्ट पुत्र हरीश सिंह बिष्ट निवासी खाड़ी सुनार, थाना सोमेश्वर, जिला अल्मोड़ा (उम्र 34 वर्ष) के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से 8 हजार रुपये नकद, चांदी की पायल, बिछुए, सोने की बाली, मंगलसूत्र, जमीन की रजिस्ट्री और चोरी किया गया लोहे का बक्सा बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। गिरफ्तारी व बरामदगी में शामिल पुलिस टीम

उपनिरीक्षक रोहताश सागर, उपनिरीक्षक कृपाल सिंह, भूपेंद्र सिंह मेहता, हेड कांस्टेबल इसरार नबी, मनोज कुमार, अनिल कुमार, दिनेश नगरकोटी, धीरेन्द्र अधिकारी, प्रकाश कार्की व महेंद्र सिंह शामिल रहे।

बहुउद्देशीय शिविर में 1500 लोगों को मिला सरकार की योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तहसीलदार भगवानपुर दयाराम की अध्यक्षता में विकासखंड विकास खंड भगवानपुर के न्याय पंचायत कार्यालय प्रांगन भगवानपुर में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 1500 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 450 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए,इस शिविर में 1950 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग ।

आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 58 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 35 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया,शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति (राज्यमंत्री स्तर) देशराज कर्णवाल ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना है तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जन जन की सरकार जन जन के द्वार आयोजित हो रहे शिविरो में भारी संख्या में ग्रामीण पहुंच रहे है तथा शिविर में विभिन्न विभागों की जन-कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इस दौरान शिविर क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 58 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिनमें से 35 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।जिनमें भूमि विवाद, अतिक्रमण, विद्युत विभाग के बिल, जलभराव, चकरोड़ एवं साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं।उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय जनता को भरपूर लाभ हो रहा है। तहसीलदार भगवानपुर दयाराम ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अनीश गौड़,प्रदेश कोषाध्यक्ष एससी मोर्चा जॉनी केसरिया, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नीलकमल शर्मा, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी, मंडल अध्यक्ष संदीप रघुवंशी, मंडल महामंत्री हिमांशु चौधरी, वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेंद्र वर्मा सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एक नजर

पाबो चौकी पुलिस ने छानी गांव में चलाया जागरूकता अभियान

पथ प्रवाह, पाबौ। पाबौ पुलिस द्वारा छानी गांव में एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी निर्देशों के क्रम में अपराधों की रोकथाम और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के दौरान पाबौ पुलिस टीम ने गांव की महिला व पुरुषों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों, महिला व बाल अपराधों तथा नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। चौकी प्रभारी पाबौ मुकेश गैरोला ने ग्रामीणों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की अनजान कॉल, मैसेज या संदिग्ध लिंक पर भरोसा न करें और किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत साइबर इमरजेंसी नंबर 1930 पर सूचना दें। पुलिस द्वारा ग्रामीणों को यह भी प्रेरित किया गया कि गांव में फेरी लगाने या किसी अन्य कार्य से आने वाले बाहरी व्यक्तियों की जानकारी समय रहते पुलिस को दें, जिससे किसी भी आपराधिक घटना को रोका जा सके। इसके साथ ही पुलिस संबंधी सहायता प्राप्त करने के लिए आपातकालीन नंबर 112 तथा उत्तराखंड पुलिस ऐप के उपयोग की जानकारी भी दी गई। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की परेशानी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे। इस जागरूकता कार्यक्रम में एसआई मुकेश गैरोला, प्रभारी चौकी पाबो, कोतवाली पौड़ी तथा हेड कांस्टेबल सुनील हिंदवाल उपस्थित रहे।

रूस ने की ईरान में दखलअंदाजी, उकसावे और बल प्रयोग की धमकियों की निंदा

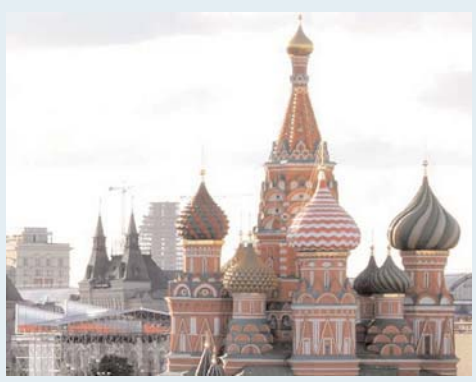

संयुक्त राष्ट्र। रूस ने ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में रूस राजदूत वसीली नेबेंजिया ने गुरुवार को कहा कि उनका देश ईरान के खिलाफ बाहरी दखल, हिंसा भड़काने और बल प्रयोग की धमकियों के सभी रूपों की निंदा करता है। उन्होंने ईरान की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका से अपने बढ़ते कदमों को रोकने खत्म करने का आग्रह किया और कहा कि हाल के दिनों में अमेरिकी नेतृत्व की 'बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी' इतनी आगे बढ़ गई है कि वह खुले तौर पर ईरान के सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने और प्रदर्शनकारियों की मदद करने की धमकी दे रही है।

भाजपा ही करती है कार्यकर्ताओं का सम्मान, पार्टी में सभी वर्गों का हित सुरक्षित: मदन कौशिक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल पुरी को पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने नगर निगम हरिद्वार में अपना सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है। इस मौके पर अनिल पुरी को सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर भाजपा कार्यकर्त्ताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है।

इस अवसर पर पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष/नगर विधायक मदन कौशिक ने नवनियुक्त सांसद प्रतिनिधि वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल पुरी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल पुरी के सांसद प्रतिनिधि बनने से पार्टी को नयी ऊर्जा व मजबूती मिलेगी। कार्यकर्त्ताओं का सम्मान ही भाजपा की पहचान है। भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि हैं। एक-एक कार्यकर्ता मिलकर ही संगठन का निर्माण करता है। भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी वर्गों का हित सुरक्षित है। सभी को साथ लेकर चलने का हुनर भाजपा ही जानती है। भाजपा सरकार में समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

प्रदेश मीडिया सह संयोजक विकास तिवारी ने कहा कि अनिल पुरी की नियुक्ति से हरिद्वार विधानसभा ही नहीं अपितु समूचे जनपद में भाजपा को नयी मजबूती मिलेगी। वरिष्ठ भाजपा नेता अनिरूद्ध भाटी व एडवोकेट राजकुमार ने कहा कि अनिल पुरी का सम्मान सभी भाजपा कार्यकर्त्ताओं का सम्मान है। उनकी नियुक्ति से निश्चित रूप से नगर निगम के विकास कार्यों में तेजी आयेगी। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से राहुल शर्मा, मुकेश कौशिक, अनिरूद्ध भाटी, गुरविंदर सिंह, नीलाभ मिश्रा, विकास तिवारी, तुशांक भट्ट, हर्षित त्रिपाठी, सुनील सैनी, गौरव भारद्वाज, दिनेश पाण्डे, गुलशन कुमार, श्यामल प्रधान, राजकुमार अरोड़ा आदि समेत भाजपा कार्यकर्त्ता शामिल रहे।

विश्व के एकमात्र राहू मंदिर पैठाणी में शुरू हुआ सौंदर्यीकरण का कार्य, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

पथ प्रवाह, पाबौ।

पैठाणी स्थित विश्व के एकमात्र राहू मंदिर में सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंदिर प्रांगण में विधि-विधान से भूमि पूजन कर कार्य की शुरुआत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि पैठाणी का राहू मंदिर विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है। सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद यहां धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। इससे न केवल श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन के बढ़ने से पैठाणी के निजी बाजारों और व्यापारिक गतिविधियों को भी आर्थिक मजबूती मिलेगी।

डॉ. रावत ने क्षेत्र की अन्य विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि मलुण्ड-पैठाणी पम्पिंग योजना का कार्य 100 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा, जिससे क्षेत्र के प्रत्येक गांव को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि मूलभूत सुविधाएं हर गांव तक पहुंचें, ताकि ग्रामीणों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। इस अवसर पर डॉक्टर रावत ने कहा कि भविष्य में बद्रीनाथ और केदारनाथ यात्रा को भी पैठाणी से जोड़ने की योजना है। इससे राहू मंदिर में आने वाले श्रद्धालु यहीं से होकर बद्रीनाथ और केदारनाथ के दर्शन भी कर सकेंगे, जिससे पैठाणी धार्मिक पर्यटन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि जिस तरह से लोगों का स्नेह और समर्थन मिल रहा है, उसे आगे भी बनाए रखें। आने वाले दो वर्षों में पैठाणी क्षेत्र में व्यापक विकास होगा, जिसका लाभ न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि आसपास के क्षेत्रों को भी मिलेगा। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि पैठाणी में स्थापित व्यावसायिक विश्वविद्यालय में गरीब से गरीब परिवार का बच्चा भी शिक्षा प्राप्त कर रहा है, और शिक्षा के माध्यम से ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, भाजपा जिला अध्यक्ष कमल किशोर रावत, जिला महामंत्री गणेश भट्ट, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष गणेश राठी, जिला पंचायत सदस्य भरत रावत व शिवचरण नौटियाल सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्प्लैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com